8. मुद्राराक्षसम् नाटक के आधार पर ''अनुभूयतां चिरं विचित्रो राजप्रसाद:'' इस सूक्ति की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

9. नाटक तथा प्रकरण में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

141

MASA–02

December – Examination 2020

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

ललित साहित्य एवं नाटक

Paper : MASA-02

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) कालिदास कृत किसी त्रोटक वोटक विधा का नाम लिखिए।

   (ii) दीपशिखा कालिदास उपाधि से सम्बद्ध ग्रन्थ का नाम लिखिए।

   (iii) गाथा सप्तशती किसकी रचना है ?

(iv) अवस्थानुकृतिर्नाट्यं किस ग्रन्थ का वाक्य है ?

(v) नाटिका विधा के कोई **दो** उदाहरण लिखिए ?

(vi) मुद्राराक्षसम् के अतिरिक्त विशाखदत्त कृत रूपक का नाम लिखिए।

(vii) मृच्छकटिकम् के किस अंक को दुर्दिन कहा जाता है ?

(viii) अर्थप्रकृति किसे कहा जाता है ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सन्दर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए :

(अ) विद्युत्वन्तं ललितवनिताः सेन्द्रचापं सचित्राः
संगीताय प्रहतमुरजाः स्निधगम्भीरघोषम्।
अन्तस्तोयं मणिमयभुवस्तुङ्गमभ्रंलिहाग्राः
प्रसादास्त्वां तुलयितुमलं यत्र तैस्तैर्विशेषैः॥

अथवा

(ब) तस्मिन् काले जलद! यदि सा लब्धनिद्रासुखा
स्यादन्वास्यैनां स्तनितविमुखो याममात्रं सहस्व।

मा भूदस्याः प्रणयिनि मयि स्वप्नलब्धे कथंचित्
सद्यः कण्ठच्युतभुजलताग्रन्थि गाढोपगूढम्॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :

(अ) दीर्घीकुर्वन् पटु मदकलं कूजितं सारसानाम्,
प्रत्यूषेषु स्फुटितकमलामोदमैत्रीकषायः।
यत्र स्त्रीणां हरति सुरतग्लानिमङ्गानुकूलः,
शिप्रावातः प्रियतम इव प्रार्थनाचाटुकारः॥

अथवा

(ब) गता नाशं तारा उपकृतमसाधविव जने
वियुक्ताः कान्तेन स्त्रिय इव न राजन्ति ककुभः।
प्रकामान्तस्तप्तं त्रिदशपति शस्त्रस्य शिखिना
द्रवीभूतं मन्ये पतति जलरूपेण गगनम्॥

4. गीतिकाव्य किसे कहते हैं ? गीतिकाव्य के प्रमुख तत्त्वों को स्पष्ट कीजिए।

5. मुद्राराक्षसम् नाटक के नामकरण पर संक्षिप्त टिप्पणी दीजिए।

6. "कामार्त्ता हि प्रकृतिकृपणा चेतनाचेतनेषु" मेघदूतम् की इस सूक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. भासनाटकचक्रम् को आधार कर भासकृत रूपकों का नामोल्लेख कीजिए।